बिजली मिलती है, तो किसान अपनी पैदावार करके अपना जीवन-यापन कर सकते हैं। मैं भारत सरकार से निवेदन करूंगा कि राजस्थान को ज्यादा से ज्यादा बिजली दे, ताकि राजस्थान में किसान अपनी पैदावार करके जीवन-यापन कर सकें।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने एक प्रमुख विषय लाना चाहता हूं। अभी दिसम्बर महीने में 13-18 तारीख को हांगकांग में 6वां डब्ल्युटीओ पर मंत्री स्तरीय समावेश होने वाला है। जिस ढंग से भारत की ओर से पिछले दो समावेशों में, पहले कानकुन में और उसके पहले दोहा में, दोनों समावेशों में भारत ने लीडरशिप दिखाई और विकासशील देशों का नेता बना, चाहे एग्रीकल्चर सेक्टर हो या सेवा का क्षेत्र हो, उसमें भारत का पक्ष और सारे विकासशील देशों का पक्ष रखा। अभी भारत सरकार की ओर से मंत्री जी ने जो उत्तर दिया, वह संतोषजनक नहीं है और बहुत चौंकाने वाला है। जिस ढंग से यह सरकार एक बात सुबह कहती है और शाम को दूसरी बात कहती है, उसके बारे में मैं दो-तीन उदाहरण देना चाहता हूं।

MR. SPEAKER: This is not a debate.

. (*Interruptions*)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : महोदय, मैं अपनी बात समाप्त कर रहा हूं। ईरान की बात पर वोटिंग हो।.(<u>व्यवधान</u>)

MR. SPEAKER: I will allow a motion. I will see if there is a notice.

. (*Interruptions*)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : यह सरकार अपनी बात बदलती है। जुलाई, 2004 में जनेवा से मंत्री जी जिस प्रकार से गोल-मोल रवैया लेकर आए हैं, इसमें संदेह है। सरकार की क्या मंशा है? इस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : चर्चा अभी नहीं हो सकती है। हम तो चाहते हैं कि चर्चा हो।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : पेटेंट का भी विषय है।.(व्यवधान) इस पर कहा कि यह हमारा इंटरनेशनल कमिटमेंट है। हमारे कई श्रमिक संगठन हैं, किसान संगठन हैं।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Dharmendra Pradhan, you have raised a very important subject. I hope that proper occasion will be there to discuss this issue.

. (*Interruptions*)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : इस पर जरूर चर्चा होनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : चर्चा कराने के लिए आपको भी इनिशिएटिव लेना होगा।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान : आप निर्देश देंगे तो चर्चा हो जाएगी।

अध्यक्ष महोदय : नोटिस मिलने के बाद ही हम आर्डर देंगे।

SHRI MANI CHARENAMEI (OUTER MANIPUR): Mr. Speaker, Sir, as per article published . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You cannot show any book here.

SHRI MANI CHARENAMEI : Sir, as per article published in the North East Sun magazine of November, 2005 issue, many innocent people were maimed and some have lost their lives due to explosion of land mine bombs planted by the valley-based undergrounds who forcibly took shelter in the remote tribal villages in Churachandpur district of Manipur. The undergrounds have been planting land mines in and around the villages they have occupied to prevent anyone from entering the villages or leaving the villages. Land mine bomb victims were